RAJYA SABHA

Tuesday, the 20.'/i *August,* 1985129
Sravana, 1907 *(Saka)*

The House met at eleven of the clock, Mr. Chairman in the chair.

ORAI, ANSWERS TO QUESTIONS

-381. *[The questioner (. C. Lakshmanna) was absent. For answer* vide cols. 37—40 infra.]

Irregularities in the NTC

382. SHRl K. VASUDEVA PANICKER :

SHRI RAMCHANDRA BHARADWAJ

Will the Minister of SUPPLY AND TEXTILES be pleased 10 stale:

(a) whether it is a fact that there are charges of gross irregularities, nepotism and outright graft against several top officials of the National Textile Corporation;

(b) if so, what are the details in this

ie 1 what are the details of the cases pending against them and the nnmber of officials of the Corporation who have been convicted luring the last three years; and

(d) what steps Government propose to take to revamp the Corporation?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SUPPLY AND TEXTILES (SHRI CHANDRA SHEKHAR SINGH): (a) to (d) A statement is laid on the Table of the House.

The question was actually asked on the floo, of 'he House by Shri K. Vasudeva Panicker. 930 RS— *1*

Statement

(a) to (c) There are 67 disciplinary proceedings being processed against cials of NTC and its subsidiaries.

These 67 cases pertain to Ihe folk) n. categories of officers: —

(A) CMDs/Functional Directors of Subsidiary Companies .	5
(B) Other officers with pay scale of Rs. 1800 and above .	16
(C) Officers with pay scale below Rs. 1800 per month .	46
TOTAL .	67

The cases against the 21 senior officials as .11 (A) and (B) pertain to undue favour shown in sales, purchases; *TA* DA. mis-use of office car. mis-use cf travel Concession, false ins' claim, disproportionate assets etc. 46 under the category (C) above relate to TADA. Leave Travel Cou false medical claims, favouritism i ruitment, pilferage, irregularities in chases sales etc.

No official of the NTC has been c< ted by a Court of law during the last years.

(c) Closer monitoring of the working of NTC and strengthening of the vig by Holding Company is being done besides improving the procedures to reduce the "-cope for malpractices.

SHRl K. VASUDEVA PANICKER: How many surprise checks were cond by the Government in order to ch-irregularities and corrupt practices in NTC and its subsidiary corporations?

SHRI CHANDRA SHEKHAR SINGH: 1 cannot just now give you the number of surprise checks that have been made *but* a number of steps have been taken to

strengthen the vigilance in the NTC. We have also taken positive action, concrete action against those who have been found guilty of some lapses.

SHRl K VASUDEVA PANICKER: I would like to know whether the Govern- 'i opuses to (ill up the vacancies at the top level also due to resignations, dis- Is, suspensions ₑte. of officials.

SHRI CHANDRA SHEKHAR SINGH: lusl now there are two vacancies at the of the CMD of the different subsi- and I hope we will be able to fill them up very quickly.

श्री रामचन्द्र भारद्वाज : मान्यवर, मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जिन लोगों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई है उनके नाम को देने में क्या परेशानी है ? क्या यह सच है कि एन० टी० सी० द्वारा कार्रवाई शुरू किये जाने के बाद कुछ बड़े अधिकारी सेवा से निकाले गये ? जिन अधिकारियों को सेवा से निकाला गया उनके विरुद्ध और क्या कानूनी कार्रवाई की गयी और इसके क्या परिणाम निकले है और इससे जुड़ा हुआ दूसरा प्रश्न यह है कि क्या यह भी सच है कि कार्रवाई के डर से कुछ बड़े अधिकारियों ने इस्तीफा दे दिया है ? जिन अधिकारियों ने इस्तीफा दे दिया है उनका इस्तीफा मंजूर करने से पहले उनके विरुद्ध क्या कानूनी अथवा अनुशासनिक कार्रवाई की गई ? और अगर की गई तो उसके क्या परिणाम निकले ? मैं अनुभव करता हूं कि अनुशासनिक कार्रवाई से कुछ नहीं होगा । अच्छा होता कि सी० बी० आई० से जांच करवाई जाती ।

श्री चन्द्र शेखर सिंह : अभी सी० एम० डी० के लेवल पर एक अधिकारी ने इस्तीफा दिया है लेकिन उनके विरुद्ध कुछ इस प्रकार के आरोप नहीं थे और दूसरे कारणों से उन्होंने इस्तीफा दिया और उस इस्तीफे को मंजूर किया गया । जहां तक सी० बी० आई० की इंक्वायरी की जरूरत है, मैं बताना चाहता हूं कि सी० बी० आई० की इंक्वायरी के लिये आग्रह किया गया है और उसके कागजात हमारे पास मौजूद हैं । अगर माननीय सदस्य चाहेंगे तो मैं उनको उससे सूचित कर दूंगा । लेकिन पिछले दिनों एन० टी० सी० के अधिकारियों के खिलाफ काफी बड़ी कार्रवाई की गई है । जैसा मैंने कहा कि सीनियर आफिसर्स के लेवल पर 34 अधिकारियों के खिलाफ मुकदमें किये गये जिसमें 16 पर कार्रवाई पूरी की जा चुकी है और बाकी के मामलों में कार्रवाई लम्बित है । कुल 67 मुकदमें किये गये ।

श्री चतुरानन मिश्र : श्रीमन्, मेरी सूचना के मुताबिक यह जो कार्रवाई की जा रही है अनुशासनात्मक कार्रवाई वह एक-डेढ़ साल से ज्यादा दिनों से चल रही है । इसलिये मैं सरकार से जानना चाहता हूं कि जो भ्रष्टाचार का मामला है उसके निष्पादन के लिये क्या कोई सीमा निर्धारित है जिसके भीतर उसमें निर्णय लिया जा सके ? कोई टाइम लिमिट है ? अगर नहीं है तो उसमें सीमा निर्धारण करने के बारे में क्या सरकार विचार करेगी ?

श्री चन्द्र शेखर सिंह : सीमा कोई निर्धारित नहीं है । लेकिन हम लोगों की तरफ से यह प्रयास बराबर किया जाता है कि इसका निष्पादन शीघ्रातिशीघ्र हो । कुछ अधिकारियों के मामलों को पहले भी हम लोगों ने रिव्यू किया है और किसी स्तर पर कोई विलम्ब है तो उसको ठीक करने की कोशिश की है । हमारे पास विस्तृत सूचना है, प्रत्येक मामले के बारे में सूचना है । लेकिन यहां समय नहीं है जिसमें सदन को हर मामले की सूचना दी जा सके ।

श्री चतुरानन मिश्र : आपने कोई निश्चित अवधि रखी है ?

श्री चन्द्र शेखर सिंह: सरकार निश्चित रूप से आपकी इस भावना के साथ है । सभी ऐसे मामलों में कार्यवाही कर रही है और आगे भी करेंगे जिससे इन मामलों का निष्पादन निश्चित अवधि के भीतर हो सके और जल्दी से जल्दी हो सके ।

SHRI VITHALBHAI MOTIRAM PATEL; Sir, may 1 know from the Minister how many cases have been filed against

the officials and whether they have been acquitted? Why they are acquitted if they are ni : punished"

MR. CHAIRMAN: It is the court which acquits.

SHRI VITHALBHAI MOTIRAM PATEL: lt is in the reply. Sir.

SHRI CHANDRA SHEKHAR SINGH: Sir,.1 have already stated that 34 cases againsl senior officers of the NTC have been launched in 1984-85. Out of these 34, action has been completed in 16 cases and inquiry is pending in 18 cases, ln one case, the case was closed with the observation of the Ceniral Vigilance Commissioner because a *prima facie* case was not found against him. The cases are closed only when (here is a precise recommend.: tion from the relevant authority that it cannot be proceeded further.

SHRl VITHALBHAI MOTIRAM PATEL: Not one case is filed in the court.

MR. CHAIRMAN: No. Please don't answer.

श्री विठ्ठलराव माधवराव जाधव : सभापति महोदय, मैं यह जानना चाहता हूं कि जो हमारे देश में सिक मिले हैं उनमें एन० टी० सी० में कितनी सिक मिलें है ? अगर एन० टी० सी० में करप्ट आफिशियल्स की इरर्रगुलेरिटीज की वजह से कुछ मिलें सिक हुई हैं तो ऐसी सिक मिलों की संख्या कितनी है और ऐसे आफिशियल्स के खिलाफ आप क्या कार्रवाई करना चाहते हैं ।

श्री चन्द्र शेखर सिंह: एन० टी० सी० में सिक मिलें है, यह स्थिति नहीं है । एन० टी० सी० तो सिक मिलों के लिये ही तैयार किया गया है और उसके अंदाज में यह कहना कठिन है कि कौनसी सिक मिल नहीं है । लेकिन आम तौर से एन० टी० सी० का परफोरमेंस पिछले दिनों में काफी अच्छा रहा है और यह एक ऐसा अस्पताल है जहां पर मिलें बीमार होकर आती हैं और वे स्वस्थ हो रही हैं ।

Representation of Workcrs at the Board of Directors' level in the public sector undertakings

*383. DR. SHYAM SUNDAR MOHAPATRA:

SHRI V. GOPALSAMY:

Will the Minister of FINANC E be pleased tO state:

(a) what are the names of those public sector undertakings where workers presented at the Board of Directors' level;

(b) what are the names of those un dertakings where workers hav$_e$ no repre sentation at the Board of Director's level:

^{c}*c)* what steps are being taken to give them representation at the Board level?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI JANARDHAN POOJARI;: (a) to (c)A Scheme of Workers' Participation was no lifted by the Ministry of Labour on 30th December, 1983. The Scheme envisages participation of labour at the shop-floor and plant levels in all public nector undertakings except those which have been specifically exempted. As regards participation at the Board level, the scheme envisages that the administrative Ministry,' Department concerned will draw, in consultation with the Ministry of Labour a list of undertakings which it considers would be suitable for introduction of ihe Scheme at the Board level also This information is being collected and will be laid on thr; Table of the House.

SHRI V. GOPALSAMY: Sir. the Public Undertakings Commitiee of Parliament in its Seventeenth Report (1971-72) recommended as follows: The Committee was strongly in favour of participation of workers and their representatives in management of public undertakings. By workers' participation in management the Commit-

This question was actually asked on the floor of *ihe* House by Shri V. Gopalsamy,